साक्षात ईश्वरीय संदेश

संसार के सब धर्मों में मान्यता है कि सर्वशास्त्र शिरोमणि 'श्रीमद्भगवद्गीता' है और गीता (4/7-8) में ही बताया हुआ है कि हे अर्जुन! जब-2 धर्म की ग्लानि होती है, तब मैं सत (सनातन) धर्म की स्थापना करने के लिए और दुष्टों का विनाश के लिए (आत्मलोक/परमधाम से) अवतरित होता हूँ। कलियुग के अंत समय में ही (सारे विश्व में फैले प्रजातंत्र सरकारों के नास्तिकों द्वारा) सबसे ज़्यादा धर्म की ग्लानि होती है। तो आज संसार में यह देखने में आ रहा है कि आज मनुष्य-मात्र में आत्मा-परमात्मा प्रति श्रद्धा-विश्वास घटता जा रहा है और भौतिकवाद बढ़ता जा रहा है। अतः वर्तमान समय को ही 'गीतायुग' कहा जाना चाहिए। क्योंकि द्वापुरांत में भगवान आकर कोई पापी कलियुग की स्थापना नहीं करता है। इसलिए गीता के कथन-अनुसार, परमपिता-परमात्मा भारतवासियों के लिए स्वर्ग का उपहार और "सर्वधर्मान परित्यज्य" (गीता 18-66) का आदेश)लेकर अवतरित हो चुके हैं। जिसको ही संसार में 'कलातीत कल्याण कल्पांतकारी' का (कलियुगी) 'कलंकीधर' (अवतार भी) कहा जाता है। जिसके विषय में गीता में बताया है कि-

"अवजानन्ति मां मूढा मानुषीं तनुमाश्रितम् ।

परं भावमजानन्तो मम भूतमहेश्वरम् " ॥ 9/11

अर्थात् मूर्ख लोग (अर्जुन/आदम/एडम के) मानवीय मुकर्रर शरीर का आधार लेने वाले मुझ परमेश्वर शिव/सोमनाथ जो एक मात्र भगवान है, शंकर की अवज्ञा करते हैं, वे मूर्ख प्राणियों के ईश्वर स्वरूप मेरे श्रेष्ठतम & प्रथम ज्योतिर्लिंग अव्यक्त भाव को नहीं जानते।

अतः इसी कलियुगांत के गीतायुग में, महाभारी-महाभारत युद्ध के समय में दिया जाने वाला, कलियुगी नर को सतयुगादि में आदि नारायण और कलियुगी नारी को आदि लक्ष्मी बनाने वाला, भारत का विश्व प्रसिद्ध 'सहज ज्ञान राजयोग' की शिक्षा स्वयं साक्षात परमपिता-परमात्मा भारत भूमि पर अन्य धर्मपिताओं माफिक मुहजवानी प्रूफ प्रमाण सहित दे रहे हैं। आध्यात्मिक विद्यालय उसी परमपिता-परमात्मा के द्वारा स्थापित किया हुआ 'आध्यात्मिक विद्यालय' है और यहाँ पर विश्व की हर मनुष्य-आत्मा ईश्वरीय ज्ञान के अनुसार अपना भविष्य उज्ज्वल कर सकती है।

"सोमनाथ (जैसे प्रथम, प्राचीनतम, भव्यतम& विश्व प्रसिद्ध धनाढ्यतम) मंदिर में बैठने वाला शिवबाबा आज कहाँ पढ़ा रहे हैं। भक्तिमार्ग में उनको हीरों-जवाहरों के महल दे दिए हैं। कितना मान है! यहाँ इनको पहचानते नहीं तो पूरा रिगार्ड भी नहीं रखते।" (भगवान की मुरली ता. 12.3.78 पृ.3 अंत)

आध्यात्मिक विश्वविद्यालय मो. 9891370007, Website- www.pbks.info, Youtube-AIVV